विचार मासिक पत्रिका

कुल पृष्ठ 16, वर्ष 5, अंक 50 माह - फरवरी 2023, मूल्य : निःशुल्क

झंडावंदन :
मोहल्ला परिवारों द्वारा 1100 स्थानों पर झंडावंदन

जागृति यात्रा :
समिति सचिव आकांक्षा मलैया की प्रतिभागिता

डोनेट & हेल्प :
शिक्षा से वंचित बच्चों की शिक्षा के लिए सहयोग करे

स्टोरी :
विकलांगता की चुनौती को लांघकर पढ़ना सीख रहा कृष्णा

प्रशिक्षण :
नवीन कौशल विधियों के अनुप्रयोग

रोजगार सृजन केंद्र :
शुभारंभ, प्रशिक्षण, उद्यमिता, नवाचार को प्राथमिकता एवं बढ़ावा

पदाधिकारी

कपिल मलैया
संस्थापक अध्यक्ष

सुनीता अरिहंत
कार्यकारी अध्यक्ष

सौरभ रांधेलिया
उपाध्यक्ष

आकांक्षा मलैया
सचिव

विनय मलैया
कोषाध्यक्ष

नितिन पटैरिया
मुख्य संगठक

अखिलेश समैया
मीडिया प्रभारी

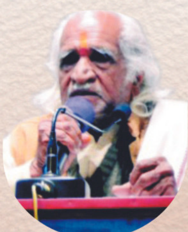

हरगोविंद विश्व
मार्गदर्शक

राजेश सिंघई
मार्गदर्शक

श्रीयाँश जैन
मार्गदर्शक

गुलज़ारी लाल जैन
मार्गदर्शक

प्रदीप रांधेलिया
मार्गदर्शक

अंशुल भार्गव
मार्गदर्शक

डॉ. स्वप्निल बी. मंत्री
मार्गदर्शक

74 वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर विचार समिति ने 1100 स्थानों पर किया झंडावंदन

जनतंत्र की शक्ति को दर्शाता 74 वां गणतंत्र दिवस : कपिल मलैया

ग्राम मोठी में समिति संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया जी के साथ ग्रामवासी एवं शिक्षकगण

विचार समिति ने 74 वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर 1100 स्थानों पर बड़े हर्षो-उल्लास के साथ झंडा फ़हराया। अधिक जानकारी देते हुए समिति कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने बताया कि समिति द्वारा परिवारों के लिए तिरंगा, डोर और अन्य सामग्री घर-घर पहुंचाई गई एवं झंडाबंधन की पूरी जानकारी साझा की गई थी जैसे तिरंगे को सूर्योदय के पश्चात फहराया जाता है एवं सूर्यास्त से पूर्व इसे उतारना चाहिए।

समिति संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया ने गणतंत्र दिवस की सभी को शुभकामनाये दी। उन्होंने कहां तिरंगा फहराने का उद्देश्य राष्ट्र को जागृत करना है। गणतंत्र दिवस जनतंत्र की शक्ति को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि हम लगातार पिछले 4 वर्षो से घर-घर झंडावंदन थीम पर 1100 से अधिक स्थानों पर झंडावंदन करते आ रहे है। ग्राम मोठी केंद्र प्राथमिक विद्यालय में आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह में हिस्सा लिया।

सरपंच कलू पटैल, प्राचार्य शंभू विश्वकर्मा, निर्मला राजपूत के सहयोग, विचार समिति आजीविका मिशन से जुडी महिलाओं, ग्राम वासियो, स्कूली बच्चो ने गीत, नृत्य के साथ पर्व मनाया एवं विभिन्न कलाओं में चयनित बच्चों को शील्ड के साथ मेडल देकर सम्मानित किया। मनोहारी दृश्यों के साथ मुख्य केन्द्र भगवानगंज में समन्वयक प्रभा साहू ने गणतंत्र पर्व पर बालिकाओं ने भारतमाता को प्रतिबिंबित रूप बनाकर प्रस्तुतियां दी।

तुलसीनगर समन्वयक ममता अहिरवार, पार्षद कनई पटेल, वीरेंदराजे ने राष्ट्रीय पर्व पर मोहल्ले में सामूहिक रूप से तिरंगा फ़हराकर, बुजुर्गों, वरिष्ठों का फूलमालाओं से सम्मान किया एवं बच्चों को नोट बुक और पैन बांटकर उत्साह के साथ मनाया।

समन्वयक हरनाम चढ़ार ने राहतगढ़, सीमा ठाकुर पगारा, मीना पटेल सेमराबाग़,कांति जैन, मनोज जैन, सुनीता पडवार, मंजरी सन्मति, पूनम मेवाती, विनीता केशरवानी, मंजू

सतभैया, अखिलेश समैया, नीता बरा, पद्मा जैन आदि ने झंडावंदन कर राष्ट्रीय पर्व को बड़ी धूम-धाम से मनाया।

समिति सचिव आकांक्षा मलैया ने स्कूल चले अभियान अंतर्गत 11 विद्यालयों एवं केंद्रों पर जाकर गणतंत्र दिवस समारोह में हिस्सा लिया उन्होंने बच्चों को गणतंत्र दिवस के बारे में ऐतिहासिक तथ्यों की जानकारी दी साथ ही शिक्षा के प्रति जागरूक किया। कविता, कहानी एवं नृत्य, नाटक, चित्रकला में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को ट्रॉफी एवं मेडल से सम्मानित किया। अन्य सभी स्थानों सागर शहर के 48 वार्ड, कैंट बोर्ड के 7 वार्डो एवं मकरोनिया नगर पालिका के 18 वार्डो में झंडा वंदन का कार्यक्रम बड़ी ही धूम धाम से मनाया गया।

झंडावंदन की झलकियां

विनीता केशरवानी, सदर

पूजा मिश्रा, गुरु गोविन्द सिंह वार्ड

राजेश पटेल, सेमराबाग़

निकिता घोषी, गढ़ौली खुर्द

मलैया ट्रैक्टर्स, सागर

मीना पटैल, सेमरा बाग़

प्रियंका पटैल, बाघराज

पूनम मेवाती, तिलकगंज वार्ड

ममता अहिरवार, तुलसीनगर वार्ड, सागर

प्रभा साहू, भगवानगंज वार्ड

नित्या D/O नितिन पटैरिया, सदर

पप्पू पड़ा जी, राजीव नगर वार्ड

राहुल यादव, राहतगढ़

मोंटी राज, रामघाट

कांति जैन, हनुमान पायेगा, इतवारी

काजल जैन, श्री श्री रविशंकर स्कूल

हरनाम सिंह, राहतगढ़

ज्योति सराफ, मकरोनिया

अनीता जैन, ITI

नीलू सागर, तिलकगंज

भाग्यश्री राय

मनोज जैन, सागर

नैंशी अहिरवार

नंदकिशोर, राहतगढ़

सुमित कोष्टी

रोहित देवरिया

मदन लाल कुशवाहा

गौरिका बामनिया

मुस्कान राहतगढ़

तान्या चतुर्वेदी

कल्पना, लक्षता, हर्ष, वंशिका,डॉली आदि

समिति सचिव आकांक्षा मलैया ने जागृति यात्रा से सीखे उद्यमिता के नए कौशल

विश्व की सबसे बड़ी अनोखी रेल यात्रा "जागृति यात्रा" का हिस्सा बनने के लिए सागर की युवा समाजसेवी विचार समिति सचिव आकांक्षा मलैया का चयन हुआ था। जागृति यात्रा का मुख्य उदेश्य भारत को जानने, समाज को बेहतर एवं विकसित बनाने, किसी सोशल या बिजनेस मॉडल को बढ़ावा देना एवं देश निर्माण के लिए युवाओं को उद्यमिता की राह दिखाना है। यात्रा के लिए पूरे विश्व से 500 यात्रियों का चयन होता है। इसके साथ ही 15 सफल रोल मॉडल से मिलवाया जाता है, उनके संघर्ष की सफलता पर स्टडी की जाती है।

प्रतिभागियों के लिए सेल्फी पॉइंट

समिति सचिव आकांक्षा मलैया ने "जागृति यात्रा"का अपना अनुभव बताया कि इस यात्रा में 10 राज्यों का भ्रमण कर उद्यमिता पर ज्ञान अर्जित किया एवं साथ ही विकास के विभिन्न मॉडल हम सागर में विचार समिति के माध्यम से लागू करना चाहते हैं। सागर के विकास के लिए युवा वर्ग आये एवं सागर विकास के मुद्दों पर मंथन करे।

विभिन्न संस्थानों के प्रतिनिधि

जागृति यात्रा के हाईलाइट

- मदुरई स्थित अरविंद आई केयर हॉस्पिटल में सामान्य हॉस्पिटल के मुकाबले 5 गुना कम खर्च में ऑखों का सफल ऑपरेशन किया जाते है। उन्होंने ऐसा एक सिस्टम बनाया है जिसमे एक ही वक्त में मशीन द्वारा कई ऑपरेशन किये जाता है। यह बिना किसी आर्थिक मदद के संचालित है। इसके साथ ही स्थानीय स्तर के युवाओं को टेक्नीशियन की ट्रेनिंग देकर रोजगार से जोड़ा ।
- बेंगलुरु में इन्फोसिस लिमिटेड का बिजिट किया। युवा उद्यमी मेले के आयोजन में जागृति यात्रा के यात्रियों ने भाग लिया साथ ही उन्होंने स्टार्टअप, इंटरप्राइजेस का प्रेजेंटेशन मेले में प्रस्तुत किया।
- चेन्नई में श्री सिटी विशेष आर्थिक परिक्षेत्र है। जिसमें उत्पादन की बड़ी-बड़ी इकाईया काम करती हैं। औद्योगिकरण के माध्यम से विकास को बढ़ावा दिया जाता है।
- विशाखापट्टनम में अक्षय पात्र फाउंडेशन एक दिन में 15000 बच्चों का खाना बनाकर भेजती है, जिसमें पूर्ण स्वच्छता एवं सफाई को ध्यान में रखा जाता है। यह अपने में बड़ी उपलब्धि है।
- नालंदा विश्वविद्यालय में विशेष रूप से प्राचीन भारतीय शिक्षा के उद्देश्य, प्रणाली सीखने लायक तथ्य है साथ ही विश्वविद्यालय नए - नए विषयों को प्रोत्साहित कर उन्हें बढ़ावा देने के लिए कार्य कर रहा है।
- देवरिया में “जागृति संस्थान” का कार्यालय स्थित है। संस्थान देवरिया ग्राम विकास को बढ़ावा देने के लिए जमीनी स्तर पर कार्यरत है। यात्रा में शामिल सभी युवकों ने देवरिया के विकास के लिए एक विकास मॉडल को तैयार किया।
- नई दिल्ली स्थित गूंज फाउंडेशन पुराने कपड़ों को इकट्ठा कर उन्हें पुनः तैयार कर उपयोग लायक बनाती है। इसके साथ ही अन्य उत्पादों का निर्माण भी करती है जैसे- बेडशीट, शादी के कपड़े, बच्चों के कपड़े आदि। इसके कार्यकर्ता पूरे देश में कार्यरत हैं। गूंज फाउंडेशन सागर के बच्चों के लिए किट विचार समिति के माध्यम से भेजी है।
- तिलोनिया गांव महिला सशक्तिकरण, आत्मनिर्भरता और बेयरफुट कॉलेज के कारण प्रसिद्ध है जो ग्रामीण महिलाओं के लिए सूर्य सोलर पैनल बनाना एवं अन्य चीजें को बनाना प्रशिक्षण देती हैं।
- साबरमती आश्रम सन् 1915 में अहमदाबाद के कोचरब नामक स्थान में महात्मा गांधी द्वारा हुई थी।अहमदाबाद स्थित साबरमती आश्रम या युवा उद्यमी संस्थान का भ्रमण किया। साबरमती आश्रम द्वारा उद्यमिता विकास के कार्यक्रम संचालित है।

शुभकामना संदेश

माननीय आकांक्षा मलैया आपके संयुक्त राष्ट्र संघ के आयोजन में शामिल किया जाना सूचित हुआ है।

डॉ.आलोक पण्डया अध्यक्ष प्रेरणा केन्द्र नवाचार गोष्ठी कक्ष एवं सभी साथियों की ओर से शुभकामनाएं प्रेषित है।

प्रेरणा केन्द्र नवाचार गोष्ठी कक्ष इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय अमरकंटक जिला अनूपपुर (म.प्र.)

शासकीय स्कूलों के शिक्षकों सहित लीफी फेलोस का दो दिवसीय प्रशिक्षण

लीफी एवं विचार समिति के संयुक्त तत्वावधान में प्रशिक्षण

वर्तमान समय की आवश्यकताओ, लक्ष्यों के साथ बच्चों के मनोवैज्ञानिक स्तर को ध्यान में रखते हुए "स्कूल चले हम अभियान" विचार समिति एवं लर्निंग इनीशिएटिव फॉर इंडिया के सयुंक्त तत्वावधान में चलाया जा रहा है। जिसके अंतर्गत 6 शासकीय स्कूलों के 12 शिक्षक और परिक्षेत्र से चयनित 5 शिक्षकों का दो दिवसीय प्रशिक्षण विचार कार्यालय में संम्पन्न हुआ।

पायलट पार्टनरशिप के तहत 3 माह तक यह अभियान चलाया जा रहा है। लीफी संस्थान दिल्ली से आई प्रशिक्षक 'नेहा अरोरा' के मार्गदर्शन में विचार कार्यालय में संपन्न हुआ। दो दिवसीय प्रशिक्षण में मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मक परिणामों में वृद्धि (स्कूल में उपस्थिति और नए नामांकन में 10% की वृद्धि), कक्षा में छात्रों का बेहतर जुड़ाव, पाठों को सुविधाजनक और बेहतर बनाने के लिए नवीन रणनीतियों के बारे में चर्चा की गयी।

परियोजना का मुख्य उद्देश्य कक्षा पहली से लेकर पांचवी तक के विद्यार्थियों के ज्ञानात्मक स्तर को कक्षा स्तर तक सुधारना है। शिक्षकों को प्रशिक्षण देने के लिए नेहा अरोरा ने प्रारंभिक परिचर्चा में शिक्षकों को ध्यानात्मक क्रियाओं से जोड़ा, कार्ड शीट पर

समिति प्रांगण में शिक्षक प्रशिक्षण के कुछ चित्र

अपने जीवन के गहरे अनुभवों को लिखकर सभी शिक्षकों ने क्रमशः व्यक्त किये। उन्होंने अपने जीवन में आने वाले संघर्ष, उतार-चढ़ाव कई कठिनाइयां को सामूहिक रूप से परिचर्चा में व्यक्त किया। इस एक पल में उन्होंने अपने अतीत को जी लिया और पहचाना कि किन संघर्षों को पार करके आज वो यहाँ तक पहुँचे हैं। इसके बाद उन्होंने अगली कड़ी में सभी शिक्षकों को कहानी पढ़ाते समय ध्यान रखने योग्य मुख्य तत्वों से जोड़ा। इस प्रक्रिया को प्रारंभ करते हुए एक कहानी पढ़ाई। उन्होंने कहा कि कहानी सुनाते वक्त एक ऐसे परिदृश्य का निर्माण हो जाना चाहिए कि बच्चों की संकल्पना अपने आप में विकसित होने लगे। शिक्षकों को सलाह दी कि हमें केवल उन्हें पढ़ाना नहीं है बल्कि बच्चों को सिखाना है। द्वितीय दिवस में कक्षा प्रारम्भ से पहले की तैयारिया, माहौल बनाने पर जोर दिया।

पढ़ाने की विधियाँ आई डू, वी डू, यू डू के माध्यम से बच्चो को ज्ञाननात्मक स्तर से जोड़ने की प्रक्रिया पर चर्चा की। इसके अलावा गणित को ठोस चित्रण और अमूर्त तरीक़े से पढ़ाने के बारे में बताया। प्रशिक्षण में शासकीय स्कूलों केबीआरसी ऑफिस से ऋषि सिंह राजपूत, अनिरुद्ध डिम्हा के साथ संजना कुर्मी, पूजा लोधी आदि शामिल रहे।

विकलांगता की चुनौती को लांघता हुआ कृष्णा सीख रहा पढ़ना-लिखना

पिछले दशकों के दौरान शैक्षिक क्षेत्र में भले ही भौतिक संसाधन जुटाने में प्रगति की हो, लेकिन सबको साक्षर करने की लौ बेहद ही मंद रही है। समस्या विकलांग व मूक बधिर बच्चों की शिक्षा के लिए अच्छी व्यवस्था नहीं होने से शारीरिक नि:शक्तता के बावजूद शिक्षा की डोर पकड़कर आगे बढ़ने वाले मूक बधिर बच्चों के जीवन में शिक्षा का सफर अधूरा ही रह जाता है। आज हम बात करने जा रहे संतरविदास वार्ड में रहने वाले 13 वर्षीय कृष्णा की, बहुत ही हंसमुख स्वभाव के है कृष्णा। स्कूल में सामान्य बच्चों के साथ पढाई नही कर पाए, आज लीफी चेंजमेकर्स फैलोशिप अभियान से जुड़कर पढ़ना और लिखना सीख रहे हैं। ख़ुशी होती है कृष्णा का जज़्बा देखकर और लीफी और विचार समिति के सयुक्त प्रयासों को देखकर .

कृष्णा है 80 प्रतिशत विकलांग-

जन्म से ही कृष्णा की जीभ मुँह के निचले हिस्से से चिपकी रह गई, बोलने में समय लेते है, सामान्य भावों को भी व्यक्त नहीं कर पाते है। दोनों पाँव में रॉड डली हुई है, कृष्ण के लगभग 6 ऑपरेशन हो चुके है।

सामान्य बच्चों के साथ नहीं कर पाए पढ़ाई-

कृष्णा सामान्य बच्चो के साथ पढ़ाई नहीं कर पाए, शिक्षकों के लिए अतिरिक्त समय देना होता था। सीखने का स्तर कमजोर होने से कॉफी पिछड़ जाते। विशेष विद्यालय घर से बहुत दूर होने से लगातार नहीं जा पा रहे।

शासकीय सहायता से वंचित है कृष्णा-

कृष्णा के पिता जनरल किराना की सामग्री दुकान- दुकान जाकर बेचते है। वे कहते है, रोजमर्रा के जीवन में कार्य इतना अधिक होता है कि कृष्णा को लगातार विशेष स्कूल ले जाना संभव नहीं हो पाता।

शिक्षक प्रियंका अंक सिखाते हुए

साथ ही कृष्णा की शासकीय पेंशन 2 साल से बंद है, उसे जो स्कूली सहायता मिलती थी वह उन सुविधाओं से वंचित है।

शिक्षक प्रियंका को है भरोसा-

शिक्षक प्रियंका कहती हैं, मुझे पूरा भरोसा है कि कृष्णा लिखना- पढ़ना सीख जाएगा। वह हर दिन कक्षा में समय से आ जाता, बहुत कुछ सीखता-बहुत कुछ इशारों में पूछता है। उसका उत्साह देखकर अच्छा लगता है। कृष्णा ने सामान्य अंक, अक्षर आदि के प्रयोग सीखे हैं।

कहना है पिता का-

कई दफा कृष्णा सीढ़ियां चढ़ते-चढ़ते गिरा है, अक्सर वह रोड पर भी गिर जाता है। इतने ऑपरेशन होने के बाद भी उसकी दृढ़ता देखकर मुझे उम्मीद है, वह अपने जीवन को सवार सकेगा। अभी उसके हाथ और जीभ का ऑपरेशन होना है। मुझे विश्वास है वह भी सामान्य बच्चों की तरह खेल पाएगा।

सपना है कृष्णा का-

कृष्णा से जब मैंने पूछा कि वह क्या करना चाहता है ?

कृष्णा ने कहा- टीतर....(टीचर)।

कृष्ण का सपना साकार हो। इसी आशा के साथ आप सभी, हमारे समाज के बच्चे का जीवन सवारे। जो संभव हो जितना हो, अवश्य मदद करें। इन बच्चों के बीच जब जाता हूं तब मुझे एक सार्थकता की पहल दिखाई देती है, विचार समिति एवं लर्निंग इनीशिएटिव फॉर इंडिया की इस मुहिम को सफल बनाने में जरूर आगे आए।

॥ विचार समिति ॥
(स्थापना वर्ष 2003)

DONATE & HELP

learning initiatives for india

समस्या -

- भारत में लगभग 3.22 करोड़ बच्चे थे (2017-18) जो एनएसएसओ के आंकड़ों के अनुसार स्कूल से बाहर थे।
- अकेले मध्यप्रदेश में 7.2 स्कूली बच्चे प्राथमिक शिक्षा के बाद स्कूल छोड़ देते है।
- इसके साथ ही बहुत से ऐसे बच्चे है, जिनका सीखने का स्तर बहुत ही कमजोर है। जिसके कारण अधिकांश बच्चे स्कूल छोड़ देते है।
- बच्चों के स्कूल छोड़ने की समस्या बहुस्तरीय और बहुआयामी है।

हमारे प्रयास-

- यह बच्चे हमारे ही समाज के है जो सुविधाओं के अभाव में शिक्षा से वंचित रह गए है।
- इन बच्चों विचार समिति एवं लर्निंग इनीशिएटिव फॉर इंडिया “लीफी चेंजमेकर्स फेलोशिप” एवं “स्कूल चले हम अभियान” के तहत 5 स्थानीय समुदायों, 6 शासकीय प्राथमिक स्कूलों के 305 बच्चों की शैक्षिक गुणवत्ता को बढ़ाने,निरंतरता लाने के लिए कार्यरत है।

आपके सहयोग से-

- ऐसे बच्चे शिक्षा से वंचित न रहे, इसके लिए सामूहिक प्रयासों की जरूरत है।
- आपके दान से - बच्चों के लिए किताबें, शिक्षण सामग्री, शिक्षकों के लिए प्रशिक्षण आदि पर ख़र्च किये जाते है।
- कृपया इस मुहिम को आगे बढ़ाने में अधिक से अधिक सहयोग करे ।

साँझा की जाएगी बच्चों की पूरी जानकारी-

- बच्चे की पूरी जानकारी।
- शैक्षिक स्तर की जानकारी।
- आपके जन्मदिन या वैवाहिक वर्षगांठ के अवसर पर बच्चे के द्वारा बनाया गया शुभकामना कार्ड।
- फोटो एवं विडिओ साँझा की जाएगी।
- आपका छोटा सा सहयोग सवार सकता है किसी बच्चे का जीवन।

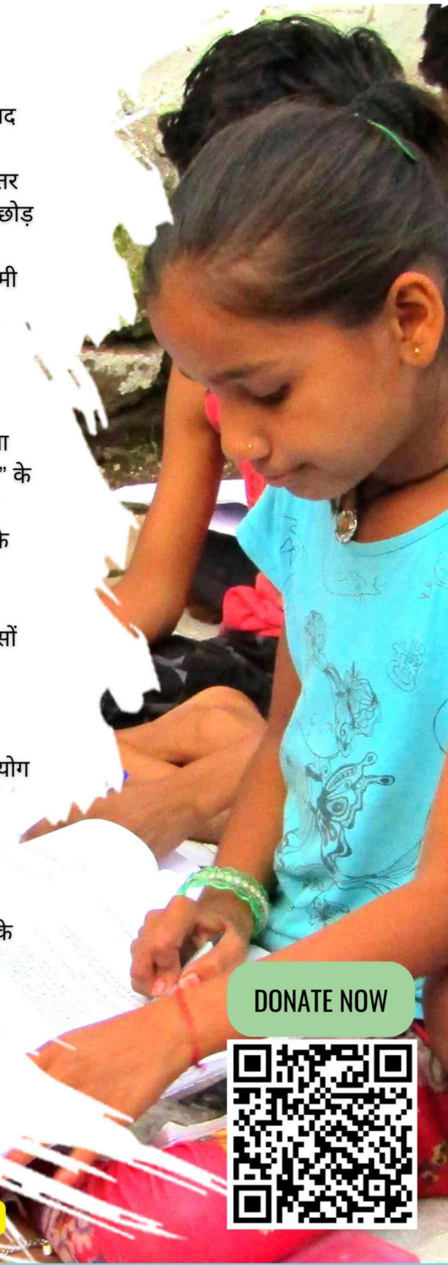

प्रति बच्चा शैक्षिक खर्च 2000/- रूपए वार्षिक है।

इस मुहिम से जुड़कर आप इन बच्चों के भविष्य को सवारने में मदद करें।

पता : 258/1 मालगोदाम रोड, तिलकगंज, आदिनाथ कार्स प्रा. लिमि. के पीछे , सागर (म.प्र.)
मो. 8458838155, 9575737475

स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन करने जिला रोजगार केंद्र का हुआ शुभारंभ

मुख्य अतिथि श्रीमति मंदाकनी पांडे जी को सम्मानित करते हुए

स्वावलंबी भारत अभियान अंतर्गत प्रदेश के 21 जिलों में एक साथ जिला रोजगार केंद्र का शुभारंभ हुआ। स्वावलंबी भारत अभियान के प्रांतीय टोली सदस्य कपिल मलैया ने बताया कि इसी क्रम में सागर जिले में तिलकगंज स्थित विचार समिति कार्यालय में रोज़गार केंद्र का शुभारंभ किया गया। जिसमे मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमती मंदाकिनी पांडे, महाप्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र सागर ने कहा कि इस जिला रोजगार सृजन केंद्र से सागर शहर के युवाओं को स्वरोजगार स्थापित करने में लाभ मिलेंगा एवं इस क्षेत्र में मेरा पूर्ण सहयोग रहेगा। विशिष्ट अतिथि के रूप में नगर विधायक शैलेन्द्र जैन उपस्थित रहे। विचार समिति की सचिव आकांक्षा मलैया ने पूर्ण रोजगार के लिए विकेन्द्रीकरण और स्वदेशी तथा उद्यमिता और सहकार के माध्यम से युवाओं को स्वरोजगार की ओर प्रेरित कर भारत की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने का आव्हान किया। कार्यक्रम का सफल संचालन राजकुमार नामदेव जिला समन्वयक, स्वावलंबी भारत अभियान सागर द्वारा किया गया। तत्पश्चात् छतरपुर में आयोजित कार्यक्रम का लाइव प्रसारण मुख्य वक्ता मा. श्री सुरेश जोशी भैयाजी, अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल सदस्य, पूर्व सरकार्यवाह, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने महाकौशल प्रांत के 21 जिलो में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने अपने संबोधन में रोजगार सृजन की त्रिस्तरीय योजना में छोटे-छोटे रोजगार सृजन के प्रयोगों को सहयोग, प्रोत्साहन व संवर्धन करना, जिलानुसार रोजगार सृजन केन्द्रों की स्थापना करना तथा अपने 37 करोड़ युवाओं की मानसिकता में परिवर्तन करने पर जोर दिया। इसके लिए भारत में विशाल जन जागरण की आवश्यकता होगी

रोजगार सृजन केंद्र का गोमय दीप जलाकर किया शुभारंभ

केंद्र से संचालित गतिविधियां -

- 40 महिलाओं का उद्यमिता विकास प्रशिक्षण।
- 15 महिलाओं को 10 हजार रुपये की सीड फंडिंग।
- 3 दिन उद्यमिता कार्यशाला का आयोजन।
- 1 वर्ष तक उद्यमिता विकास कार्यक्रम।
- नौकरियों की तैयारी हेतु कार्यशाला
- प्रत्येक माह में 2 कार्यशाला का आयोजन ।
- प्रशिक्षण में- सीवी मेकिंग, कम्युनिकेशन स्किल, इन्टरव्यू, मार्केट रिवेन्यु आदि में दक्ष बनाना ।
- हैकथॉन को बढ़ावा देना
- युवाओ के लिए एक मंच प्रदान करना।
- उत्पाद नवाचार की एक संस्कृति और समस्या को हल करने की मानसिकता विकसित करना।
- जैसे - शार्क टैंक- नये आईडिया को बढ़ावा देना।
- फरवरी माह में 40 महिलाओं को उद्यमिता विकास प्रशिक्षण दिया जायेगा ।

स्वावलंबी भारत अभियान की जिला टोली के सदस्य नितिन पटैरिया, सुनील सागर, नितिन सोनी, श्रीमति अंजली दुबे, नरेन्द्र साहू, अशोक वीर, अखिलेश समैया, योगेश मिश्रा विशेष सहयोगी के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में नगर के गणमान्य नागरिक सुभाष कड्या, एकता समिति सदस्य, इंजीनियर फोरम, विचार समिति की कार्यकारी अध्यक्ष श्रीमति सुनीता अरिहंत, मदन ठाकुर ,प्रीति मलैया, हरगोविंद विश्व, अंशुल भार्गव, ज्योति सराफ, नीपा दिवाकर, रजनी जैन, प्रीति जैन, पूनम मेवाती, अभिलाषा जाटव, ममता अहिरवार, चंद्रहाश श्रीवास्तव, माधव यादव, राहुल अहिरवार, विनय चौरसिया, पूजा लोधी, भाग्यश्री राय, रितु पटेल, अरविन्द्र, ज्योति रैकवार आदि उपस्थित रहे।

मीडिया कवरेज

दैनिक भास्कर सागर 28-01-2023

1100 स्थानों पर झंडावंदन किया

सागर | गणतंत्र दिवस पर विचार समिति सागर की ओर से 1100 स्थानों पर झंडावंदन किया गया। समिति के संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया ने सदस्यों को झंडे के साथ शपथ दिलाई। सचिव आकांक्षा मलैया भी मौजूद थीं।

जनतंत्र की शक्ति को दर्शाता गणतंत्र दिवसः मलैया

अतुल्य भास्कर, सागर। विचार समिति ने 74 वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर 1100 स्थानों पर बड़े हर्षों-उल्लास के साथ झंडा फ़हराया गया। समिति संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया ने गणतंत्र दिवस की सभी को शुभकामनाये देते हुए कहा कि तिरंगा झंडा फहराने का उद्देश्य राष्ट्र को जागृत करना है। गणतंत्र दिवस जनतंत्र की शक्ति को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि हम लगातार पिछले 4 वर्षों से घर- घर झंडावंदन थीम पर 1100 से अधिक झंडावंदन करते आ रहे है। ग्राम मोठी केंद्र, प्राथमिक विद्यालय में आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह में हिस्सा लिया। सरपंच कलू पटैल, प्राचार्य शंभू विश्वकर्मा, निर्मला राजपूत के सहयोग व विचार समिति आजीविका मिशन से जुडी महिलाओं, ग्राम वासियो, स्कूली बच्चो ने गीत, नृत्य, के साथ पर्व मनाया एवं विभिन्न कलाओं में चयनित बच्चों को क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्तर विजेताओ को शील्ड के साथ मेडल देकर सम्मानित किया। अधिक जानकारी देते हुए समिति कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने बताया कि समिति द्वारा परिवारों के लिए तिरंगा, डोर, और अन्य सामग्री घर-घर पहुंचाई गई एवं झंडाबंधन की पूरी जानकारी साझा की गई थी जैसे तिरंगे को सूर्योदय के पश्चात फहराया जाता है एवं सूर्यास्त से पूर्व इसे उतारना चाहिए।

74 वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर विचार समिति ने 1100 स्थानों पर किया झंडावंदन

जनतंत्र की शक्ति को दर्शाता 74वां गणतंत्र दिवसः कपिल मलैया

जन चिंगारी/सागर।

विचार समिति ने 74 वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर 1100 स्थानों पर बड़े हर्षों-उल्लास के साथ झंडा फ़हराया गया। समिति संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया ने गणतंत्र दिवस की सभी को शुभकामनाये देते हुए कहा कि तिरंगा झंडा फहराने का उद्देश्य राष्ट्र को जागृत करना है। गणतंत्र दिवस जनतंत्र की शक्ति को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि हम लगातार पिछले 4 वर्षों से घर- घर झंडावंदन थीम पर 1100 से अधिक झंडावंदन करते आ रहे है। ग्राम मोठी केंद्र, प्राथमिक विद्यालय में आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह में हिस्सा लिया। सरपंच कलू पटैल, प्राचार्य शंभू विश्वकर्मा, निर्मला राजपूत के सहयोग व विचार समिति आजीविका मिशन से जुडी महिलाओं, ग्राम वासियो, स्कूली बच्चो ने गीत, नृत्य, के साथ पर्व मनाया एवं विभिन्न कलाओं में चयनित बच्चों को क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्तर विजेताओ को शील्ड के साथ मेडल देकर सम्मानित किया।

अधिक जानकारी देते हुए समिति कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने बताया कि समिति द्वारा परिवारों के लिए तिरंगा, डोर, और अन्य सामग्री घर-घर पहुंचाई गई एवं झंडाबंधन की पूरी जानकारी साझा की गई थी जैसे तिरंगे को सूर्योदय के पश्चात फहराया जाता है एवं सूर्यास्त से पूर्व इसे उतारना चाहिए। समिति सचिव आकांक्षा मलैया ने स्कूल चले अभियान अंतर्गत 11 विद्यालयों एवं केंद्रों पर जाकर गणतंत्र दिवस समारोह में हिस्सा लिया उन्होंने बच्चों को गणतंत्र दिवस के बारे में ऐतिहासिक तथ्यों की जानकारी दी साथ ही शिक्षा के प्रति जागरूक किया। कविता, कहानी एवं नृत्य, नाटक, चित्रकला में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को ट्रॉफी एवं मेडल से सम्मानित किया।

मनोहारी दृश्यों के साथ मुख्य केन्द्र भगवानगंज में समन्वयक प्रभा साहू ने गणतंत्र पर्व पर बालिकाओं ने भारतमाता को प्रतिबिंबित रूप बनाकर प्रस्तुतियां दी। तुलसीनगर समन्वयक ममता अहिरवार, पार्षद कनई पटेल, वीरेंदराजे ने राष्ट्रीय पर्व पर मोहल्ले में सामूहिक रूप से तिरंगा फ़हराकर, बुजुर्गों, वरिष्ठों का फूलमालाओं से सम्मान किया एवं बच्चों को नोट बुक और पैन बांटकर उत्साह के साथ मनाया। समन्वयक हरनाम चढ़ार ने राहतगढ़, सीमा ठाकुर पगारा, मीना पटेल सेमराबाग, कांति जैन इतवारी वार्ड में झंडावंदन कर राष्ट्रीय पर्व को बड़ी धूम-धाम से मनाया। अन्य सभी स्थानों जिमसे सागर शहर के 48 वार्ड, कैंट बोर्ड के 7 वार्डो एवं मकरोनिया नगर पालिका के 18 वार्डो में झंडा वंदन का कार्यक्रम बड़ी ही धूम धाम से मनाया गया।

दैनिक भास्कर सागर 22-01-2023

प्राइमरी के विद्यार्थियों का ज्ञानात्मक स्तर सुधारने शिक्षकों को दिए टिप्स

6 सरकारी स्कूलों के 12 नए शिक्षकों को दिया प्रशिक्षण

भास्कर संवाददाता | सागर

वर्तमान समय की आवश्यकताओं, लक्ष्यों के साथ बच्चों के मनोवैज्ञानिक स्तर को ध्यान में रखते हुए विचार समिति एवं लर्निंग इनीशिएटिव फॉर इंडिया के सयुंक्त तत्वावधान में स्कूल चलें हम अभियान की शुरूआत की गई है। पायलट पार्टनरशिप के तहत 3 माह तक चलने वाले इस अभियान से 6 सरकारी स्कूलों के साथ परिक्षेत्र से चयनित 12 शिक्षकों को जोड़ा गया है। अभियान के तहत शिक्षकों को दो दिवसीय प्रशिक्षण विचार कार्यालय में दिया गया।

लीफी संस्थान दिल्ली से आई प्रशिक्षक नेहा अरोरा ने बताया कि प्रशिक्षण में मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मक परिणामों में वृद्धि (स्कूल में उपस्थिति और नए नामांकन में 10% की वृद्धि), कक्षा में छात्रों का बेहतर जुड़ाव, पाठों को सुविधाजनक और बेहतर बनाने के लिए नई रणनीतियों के बारे में चर्चा की गई। परियोजना का उद्देश्य कक्षा पहली से लेकर पांचवी तक के विद्यार्थियों के ज्ञानात्मक स्तर को कक्षा स्तर तक सुधारना है।

प्रशिक्षक अरोरा ने प्रारंभिक चर्चा में शिक्षकों को ध्यानात्मक क्रियाओं से जोड़ा, कार्डशीट पर अपने जीवन के गहरे अनुभवों को लिखकर सभी शिक्षकों ने व्यक्त किए। अगली कड़ी में सभी शिक्षकों को कहानी पढ़ाते समय ध्यान रखने योग्य मुख्य तत्वों से जोड़ा। उन्होंने कहा कि कहानी सुनाते वक्त एक ऐसे परिदृश्य का निर्माण हो जाना चाहिए कि बच्चों की संकल्पना अपने आप विकसित होने लगे। समिति सचिव आकांक्षा मलैया ने शिक्षकों को सलाह दी कि हमें केवल बच्चों को पढ़ाना नहीं है बल्कि सिखाना है। इस दौरान कक्षा शुरू होने से पहले की तैयारियां, माहौल बनाने पर जोर दिया गया। पढ़ाने की विधियां आई डू, वी डू, यू डू के माध्यम से बच्चों को ज्ञानात्मक स्तर से जोड़ने की प्रक्रिया पर चर्चा की गई। गणित को ठोस, चित्रण और अमूर्त तरीके से पढ़ाने के बारे में बताया। कार्यक्रम में सयुंक्त संचालक मनीष वर्मा, ऋषि सिंह राजपूत, अनिरुद्ध डिम्हा, परियोजना सहायक पूजा लोधी, लीफी क्षेत्रीय अधिकारी संजना कुर्मी मौजूद थे।

अभियान के तहत शिक्षकों को दो दिवसीय प्रशिक्षण विचार कार्यालय में दिया गया।

शासकीय स्कूलों सहित नए शिक्षकों का दो दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

सागर, देशबन्धु। वर्तमान समय की आवश्यकताओ, लक्ष्यों के साथ बच्चों के मनोवैज्ञानिक स्तर को ध्यान में रखते हुए स्कूल चले हम अभियान विचार समिति एवं लर्निंग इनीशिएटिव फॉर इंडिया के सयुंक्त तत्वावधान में चलाया जा रहा है। जिसके अंतर्गत 6 शासकीय स्कूलों के साथ परिक्षेत्र से चयनित 12 शिक्षकों का दो दिवसीय प्रशिक्षण विचार कार्यालय में संम्पन्न हुआ। पायलट पार्टनरशिप के तहत 3 माह तक यह अभियान चलाया जा रहा है। लीफी संस्थान दिल्ली से आई प्रशिक्षक नेहा अरोरा के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। दो दिवसीय प्रशिक्षण में मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मक परिणामों में वृद्धि स्कूल में उपस्थिति और नए नामांकन में 10 प्रतिशत की वृद्धि कक्षा में छात्रों का बेहतर जुड़ाव, पाठों को सुविधाजनक और बेहतर बनाने के लिए नवीन रणनीतियों के बारे में चर्चा की गयी। परियोजना का मुख्य उद्देश्य कक्षा पहली से लेकर पांचवी तक के विद्यार्थियों के ज्ञानात्मक स्तर को कक्षा स्तर तक सुधारना है। प्रशिक्षक नेहा अरोरा ने प्रारंभिक परिचर्चा में शिक्षकों को ध्यानात्मक क्रियाओं से जोड़ा, कार्ड शीट पर अपने जीवन के गहरे अनुभवों को लिखकर सभी शिक्षकों ने क्रमशः व्यक्त किये। समिति सचिव आकांक्षा मलैया शिक्षकों को सलाह दी कि हमें केवल उन्हें पढ़ाना नहीं है बल्कि बच्चों को सिखाना है। द्वितीय दिवस में कक्षा प्रारम्भ से पहले की तैयारिया, माहौल बनाने पर जोर दिया। पढ़ाने की विधियां आईडू, वीडू, यूडू के माध्यम से बच्चो को ज्ञाननात्मक स्तर से जोड़ने की प्रक्रिया पर चर्चा की। इसके अलावा गणित को ठोस, चित्रण और अमूर्त तरीके से पढ़ाने के बारे में बताया। अभियान सहयोगी सयुंक्त संचालक मनीष वर्मा, बीआरसीसी ऑफिस से ऋषि सिंह राजपूत एवं अनिरुध्द डिम्हां के साथ परियोजना सहायक पूजा लोधी, लीफी क्षेत्रीय अधिकारी संजना कुर्मी मुख्य भूमिका में रही।

मीडिया कवरेज

शासकीय स्कूलो सहित नए शिक्षकों का दो दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

जन चिंगारी/सागर।

वर्तमान समय की आवश्यकताओ, लक्ष्यों के साथ बच्चों के मनोवैज्ञानिक स्तर को ध्यान में रखते हुए +स्कूल चले हम अभियान+ विचार समिति एवं लर्निंग इनीशिएटिव फॉर इंडिया के सयुंक्त तत्वावधान में चलाया जा रहा है। जिसके अंतर्गत 6 शासकीय स्कूलों के साथ परिक्षेत्र से चयनित 12 शिक्षकों का दो दिवसीय प्रशिक्षण विचार कार्यालय में सम्पन्न हुआ। पायलट पार्टनरशिप के तहत 3 माह तक यह अभियान चलाया जा रहा है। लीफी संस्थान दिल्ली से आई प्रशिक्षक 'नेहा अरोरा' के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

दो दिवसीय प्रशिक्षण में मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मक परिणामों में वृद्धि (स्कूल में उपस्थिति और नए नामांकन में 10त की वृद्धि), कक्षा में छात्रों का बेहतर जुड़ाव, पाठों को सुविधाजनक और बेहतर बनाने के लिए नवीन रणनीतियों के बारे में चर्चा की गयी। परियोजना का मुख्य उद्देश्य कक्षा पहली से लेकर पांचवी तक के विद्यार्थियों के ज्ञानात्मक स्तर को कक्षा स्तर तक सुधारना है। प्रशिक्षक नेहा अरोरा ने प्रारंभिक परिचर्चा में शिक्षकों को ध्यानात्मक क्रियाओं से जोड़ा, कार्ड शीट पर अपने जीवन के गहरे अनुभवों को लिखकर सभी शिक्षकों ने क्रमशः व्यक्त किये। अगली कड़ी में सभी शिक्षकों को कहानी पढ़ाते समय ध्यान रखने योग्य मुख्य तत्वों से जोड़ा।

इस प्रक्रिया को प्रारंभ करते हुए एक कहानी पढ़ाई। उन्होंने कहा कि कहानी सुनाते वक्त एक ऐसे परिदृश्य का निर्माण हो जाना चाहिए कि बच्चों की संकल्पना अपने आप में विकसित होने लगे। समिति सचिव आकांक्षा मलैया शिक्षकों को सलाह दी कि हमें केवल उन्हें पढ़ाना नहीं है बल्कि बच्चों को सिखाना है। द्वितीय दिवस में कक्षा प्रारम्भ से पहले की तैयारिया, माहौल बनाने पर जोर दिया। पढ़ाने की विधियाँ आई डू, वी डू, यू डू के माध्यम से बच्चो को ज्ञाननात्मक स्तर से जोड़ने की प्रक्रिया पर चर्चा की।

इसके अलावा गणित को ठोस, चित्रण और अमूर्त तरीके से पढ़ाने के बारे में बताया। अभियान सहयोगी सयुंक्त संचालक मनीष वर्मा, बीआरसीसी ऑफिस से ऋषि सिंह राजपूत एवं अनिरुध्द डिम्हा के साथ परियोजना सहायक पूजा लोधी, लीफी क्षेत्रीय अधिकारी संजना कुर्मी मुख्य भूमिका में रही।

सागर शहर

आयोजन । नवीन रणनीतियों के बारे में चर्चा की

शासकीय स्कूलों सहित नए शिक्षकों का प्रशिक्षण संपन्न

सागर, आचरण संवाददाता।

वर्तमान समय की आवश्यकताओ, लक्ष्यों के साथ बच्चों के मनोवैज्ञानिक स्तर को ध्यान में रखते हुए स्कूल चले हम अभियान विचार समिति एवं लर्निंग इनीशिएटिव फॉर इंडिया के सयुंक्त तत्वावधान में चलाया जा रहा है। जिसके अंतर्गत 6 शासकीय स्कूलों के साथ परिक्षेत्र से चयनित 12 शिक्षकों का दो दिवसीय प्रशिक्षण विचार कार्यालय में संपन्न हुआ। पायलट पार्टनरशिप के तहत 3 माह तक यह अभियान चलाया जा रहा है। लीफी संस्थान दिल्ली से आई प्रशिक्षक 'नेहा अरोरा' के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। दो दिवसीय प्रशिक्षण में मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मक परिणामों में वृद्धि (स्कूल में उपस्थिति और नए नामांकन में 10त की वृद्धि), कक्षा में छात्रों का बेहतर जुड़ाव, पाठों को सुविधाजनक और बेहतर बनाने के लिए नवीन रणनीतियों के बारे में चर्चा की गयी। परियोजना का मुख्य उद्देश्य कक्षा पहली से लेकर पांचवी तक के विद्यार्थियों के ज्ञानात्मक स्तर को कक्षा स्तर तक सुधारना है। प्रशिक्षक नेहा अरोरा ने प्रारंभिक परिचर्चा में शिक्षकों को ध्यानात्मक क्रियाओं से जोड़ा, कार्ड शीट पर अपने जीवन के गहरे अनुभवों को लिखकर सभी शिक्षकों ने क्रमशः व्यक्त किये। अगली कड़ी में सभी शिक्षकों को कहानी पढ़ाते समय ध्यान रखने योग्य मुख्य तत्वों से जोड़ा। इस प्रक्रिया को प्रारंभ करते हुए एक कहानी पढ़ाई। उन्होंने कहा कि कहानी सुनाते वक्त एक ऐसे परिदृश्य का निर्माण हो जाना चाहिए कि बच्चों की संकल्पना अपने आप में विकसित होने लगे। समिति सचिव आकांक्षा मलैया शिक्षकों को सलाह दी कि हमें केवल उन्हें पढ़ाना नहीं है बल्कि बच्चों को सिखाना है। द्वितीय दिवस में कक्षा प्रारम्भ से पहले की तैयारिया, माहौल बनाने पर जोर दिया। पढ़ाने की विधियाँ आई डू, वी डू, यू डू के माध्यम से बच्चो को ज्ञाननात्मक स्तर से जोड़ने की प्रक्रिया पर चर्चा की। इसके अलावा गणित को ठोस, चित्रण और अमूर्त तरीके से पढ़ाने के बारे में बताया। अभियान सहयोगी सयुंक्त संचालक मनीष वर्मा, बीआरसीसी ऑफिस से ऋषि सिंह राजपूत एवं अनिरुध्द डिम्हा के साथ परियोजना सहायक पूजा लोधी, क्षेत्रीय अधिकारी संजना कुर्मी मुख्य भूमिका में रही।

राज एक्सप्रेस

Clip Article Image View Comments Email Print
SHARE

स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन करने जिला रोजगार केंद्र का शुभारंभ

सागर(आरएनएन)। स्वावलंबी भारत अभियान अंतर्गत प्रदेश के 21 जिलों में एक साथ जिला रोजगार केंद्र का शुभारंभ हुआ। स्वावलंबी भारत अभियान के प्रांतीय टोली सदस्य कपिल मलैया ने बताया कि सागर जिले में तिलकगंज स्थित विचार समिति कार्यालय में रोजगार केंद्र का शुभारंभ किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में मंदाकिनी पांडे महाप्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र ने कहा कि इस जिला रोजगार सृजन केंद्र से सागर शहर के युवाओं को स्वरोजगार स्थापित करने में लाभ मिलेगा एवं इस क्षेत्र में मेरा पूर्ण सहयोग रहेगा। विशिष्ट अतिथि के रूप में विधायक शैलेन्द्र जैन उपस्थित रहे। विचार समिति की सचिव आकांक्षा मलैया ने पूर्ण रोजगार के लिए विकेन्द्रीकरण और स्वदेशी तथा उद्यमिता और सहकार के माध्यम से युवाओं को स्वरोजगार की ओर प्रेरित कर भारत की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम का संचालन राजकुमार नामदेव जिला समन्वयक, स्वावलंबी भारत अभियान सागर द्वारा किया गया। तत्पश्चात् छतरपुर में आयोजित कार्यक्रम का लाइव प्रसारण दिखाया गया। स्वावलंबी भारत अभियान की जिला टोली के सदस्य नितिन पटैरिया, सुनील सागर, नितिन सोनी, अंजली दुबे, नरेन्द्र साहू, अशोक वीर, अखिलेश समैया, योगेश मिश्रा, विशेष सहयोगी के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सुभाष कड़या, सुनीता अरिहंत, मदन ठाकुर, प्रीति मलैया, हरगोविंद विश्व, अंशुल भार्गव, नीपा दिवाकर, रजनी जैन, प्रीति जैन, माधव यादव, राहुल अहिरवार, विनय चौरसिया, पूजा लोधी, भाग्यश्री राय, रितु पटेल, अरविन्द्र, ज्योति रैकवार आदि उपस्थित रहे।

दैनिक भास्कर सागर 26-01-2023

स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन के लिए जिला रोजगार केंद्र शुरू

भास्कर संवाददाता | सागर

स्वावलंबी भारत अभियान के तहत जिला रोजगार केंद्र की शुरुआत करते अतिथि।

स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन के लिए स्वावलंबी भारत अभियान के तहत सागर सहित प्रदेश के 21 जिलों में एक साथ जिला रोजगार केंद्र का शुभारंभ किया गया। अभियान के प्रांतीय टोली सदस्य कपिल मलैया ने बताया कि जिले का केंद्र तिलकगंज स्थित विचार समिति कार्यालय में शुरू किया गया है। कार्यक्रम में जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र महाप्रबंधक मंदाकिनी पांडे ने कहा कि केंद्र से शहर के युवाओं को स्वरोजगार स्थापित करने में लाभ मिलेगा। कार्यक्रम में विधायक शैलेन्द्र जैन भी उपस्थित रहे। विचार समिति की सचिव आकांक्षा मलैया ने पूर्ण रोजगार के लिए विकेन्द्रीकरण और स्वदेशी तथा उद्यमिता और सहकार के माध्यम से युवाओं को स्वरोजगार की ओर प्रेरित किया। संचालन जिला समन्वयक स्वावलंबी भारत अभियान राजकुमार नामदेव ने किया। इसके बाद छतरपुर में आयोजित कार्यक्रम का लाइव प्रसारण दिखाया गया। इसमें मुख्य वक्ता अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल सदस्य पूर्व सरकार्यवाह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ सुरेश जोशी ने महाकौशल प्रांत के 21 जिलों में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित किया। कार्यक्रम में जिला टोली सदस्य नितिन पटैरिया, सुनील सागर, नितिन सोनी, अंजली दुबे, नरेन्द्र साहू, अशोक वीर, अखिलेश समैया, योगेश मिश्रा, सुभाष कड़या, सुनीता अरिहंत, मदन ठाकुर, प्रीति मलैया, हरगोविंद विश्व, अंशुल भार्गव, ज्योति सराफ, नीपा दिवाकर, रजनी जैन, प्रीति जैन, पूनम मेवाती, अभिलाषा जाटव, ममता अहिरवार, चंद्रहाश श्रीवास्तव, माधव यादव, राहुल अहिरवार, विनय चौरसिया, पूजा लोधी, भाग्यश्री राय, रितु पटेल, अरविन्द, ज्योति रैकवार आदि उपस्थित थे।

सागर

स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन करने जिला रोजगार केंद्र का हुआ शुभारंभ

जन चिंगारी/सागर।

स्वावलंबी भारत अभियान अंतर्गत प्रदेश के 21 जिलों में एक साथ जिला रोजगार केंद्र का शुभारंभ हुआ7 स्वावलंबी भारत अभियान के प्रांतीय टोली सदस्य कपिल मलैया ने बताया कि इसी क्रम में सागर जिले में तिलकगंज स्थित विचार समिति कार्यालय में रोजगार केंद्र का शुभारंभ किया गया।

जिसमे मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमती मंदाकिनी पांडे, महाप्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र सागर ने कहा कि इस जिला रोजगार सृजन केंद्र से सागर शहर के युवाओं को स्वरोजगार स्थापित करने में लाभ मिलेगा एवं इस क्षेत्र में मेरा पूर्ण सहयोग रहेगा।

विशिष्ट अतिथि के रूप में नगर विधायक शैलेन्द्र जैन उपस्थित रहे। विचार समिति की सचिव आकांक्षा मलैया ने पूर्ण रोजगार के लिए विकेन्द्रीकरण और स्वदेशी तथा उद्यमिता और सहकार के माध्यम से युवाओं को स्वरोजगार की ओर प्रेरित कर भारत की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने का आव्हान किया। कार्यक्रम का सफल संचालन राजकुमार नामदेव जिला समन्वयक, स्वावलंबी भारत अभियान सागर द्वारा किया गया। तत्पश्चात् छतरपुर में आयोजित कार्यक्रम का लाइव प्रसारण मुख्य वक्ता मा. श्री सुरेश जोशी भैयाजी, अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल सदस्य, पूर्व सरकार्यवाह, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने महाकौशल प्रांत के 21 जिलो में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने अपने संबोधन में रोजगार सृजन की त्रिस्तरीय योजना में छोटे-छोटे रोजगार सृजन के प्रयोगों को सहयोग, प्रोत्साहन व संवर्धन करना, जिलानुसार रोजगार सृजन केन्द्रों की स्थापना करना तथा अपने 37 करोड़ युवाओं की मानसिकता में परिवर्तन करने पर जोर दिया ।इसके लिए भारत में विशाल जन जागरण की आवश्यकता होगी।

स्वावलंबी भारत अभियान की जिला टोली के सदस्य नितिन पटैरिया, सुनील सागर, नितिन सोनी, श्रीमति अंजली दुबे, नरेन्द्र साहू, अशोक वीर, अखिलेश समैया, योगेश मिश्रा विशेष सहयोगी के रूप में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में नगर के गणमान्य नागरिक सुभाष कड़या, एकता समिति सदस्य, इंजीनियर फोरम, विचार समिति की कार्यकारी अध्यक्ष श्रीमति सुनीता अरिहंत, मदन ठाकुर ,प्रीति मलैया, हरगोविंद विश्व, अंशुल भार्गव, ज्योति सराफ, नीपा दिवाकर, रजनी जैन, प्रीति जैन, पूनम मेवाती, अभिलाषा जाटव, ममता अहिरवार, चंद्रहाश श्रीवास्तव, माधव यादव, राहुल अहिरवार, विनय चौरसिया, पूजा लोधी, भाग्यश्री राय, रितु पटेल, अरविन्द्र, ज्योति रैकवार आदि उपस्थित रहे।

सार-समाचार

स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन करने जिला रोजगार केंद्र का हुआ शुभारंभ

सागर, देशबन्धु। स्वावलंबी भारत अभियान अंतर्गत प्रदेश के 21 जिलों में एक साथ जिला रोजगार केंद्र का शुभारंभ हुआ स्वावलंबी भारत अभियान के प्रांतीय टोली सदस्य कपिल मलैया ने बताया इसी क्रम में जिले में तिलकगंज स्थित विचार समिति कार्यालय में रोजगार केंद्र का शुभारंभ किया गया। जिसमे मुख्य अतिथि मंदाकिनी पांडे, महाप्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र ने कहा इस जिला रोजगार सृजन केंद्र से सागर शहर के युवाओं को स्वरोजगार स्थापित करने में लाभ मिलेगा एवं इस क्षेत्र में मेरा पूर्ण सहयोग रहेगा। विशिष्ट अतिथि विधायक शैलेन्द्र जैन उपस्थित रहे ।कार्यक्रम का संचालन राजकुमार नामदेव ने किया।

हमारे सहयोगी

O.P. Jindal Global University
A Private University Promoting Public Service

TISS
Tata Institute Of Social Sciences

UPES
UNIVERSITY OF THE FUTURE

BHU
Banaras Hindu University

QUEST ALLIANCE

Goodera

ConnectAID
The International Solidarity Network

learning initiatives for india

meraadhikar
one nation. one platform

Lyvefresh®

TechPose

BENNETT UNIVERSITY
TIMES OF INDIA GROUP

ACADEMIA FOR SUSTAINABLE DEVELOPMENT

POLICY RESEARCH FOUNDATION

NCD NAVJIVAN CENTER FOR DEVELOPMENT
We Design Your Growth Story

danamojo
experience the magic of giving

IIMT
GROUP OF COLLEGES
Greater Noida • Meerut
— Aim For Excellence —

Dr. H.S. Gour University
Sagar [M.P.]

THE ART OF LIVING®

Rotary
Club of Sagar

STEP-AHEAD
Fellowship Preparation-Support
MGNF, Gandhi Fellow, Urban Fellow, SBI Youth, TFI etc.

INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT
ROHTAK

भारत विकास परिषद
Bharat Vikas Parishad
Sagar [M.P.]

ISRN

Edu-Vitae
Services
JOIN! LEARN! ACHIEVE!

India is Us!
i2u Social Foundation

संजीवनी बाल आश्रम

For HER Foundation
Hygiene | Empowerment | Respect

॥ विचार समिति ॥
(स्थापना वर्ष 2003)

निवेदन

आपसे निवेदन है कि अधिक से अधिक मात्र में दान देकर इस मुहिम को आगे बढाने में सहयोग करें ।
दान राशि बैंक खाते में डालने हेतू जानकारी इस प्रकार है ।

Bank - State Bank of India
Bank A/c Name - Vichar Samiti
Account No. - 37941791894
IFSC Code - SBIN0000475

Paytm/Phonepe/Googlepay आदि से दान करने के लिए QR कोड को स्कैन करे ।

VICHAR SAMITI
powered by: danamojo
cfpay.dmvicharsamiti@icici
UPI UNIFIED PAYMENTS INTERFACE

-: संपर्क :-

+91 95757 37475
linkedin.com/in/vichar-samiti
samiti.vichar@gmail.com
www.vicharsamiti.in
Sagar, Madhya Pradesh India

संपादक - आकांक्षा मलैया, प्रबंधक व प्रकाशक - विचार समिति, स्वामित्व - विचार समिति, 258/1, मालगोदाम रोड, तिलकगंज वार्ड, आदिनाथ कार्स प्रा.लि. के पीछे, सागर (म.प्र.), पिन-470002
मुद्रण - तरूण कुमार सिंघई, अरिहंत ऑफसेट, पारस कोल्ड स्टोरेज, बताशा गली, रामपुरा वार्ड, सागर